

NCERT Solutions For Class 8 Sanskrit Part - I Chapter 9

| प्रश्नः 1. उच्चारणं कुरुत—(उच्चारण कीजिए—) | |
|--|------------------------------|
| सुप्रभातम् महत्त्वाधायिनी पर्वपरम्पराभि: | |
| चतुर्विंशतिः द्विसप्ततितमे वंशवृक्षनिर्मितानाम् | |
| सप्तभगिन्य: प्राकृतिकसम्पद्धि: वंशोद्योगोऽयम् | |
| गुणगौरवदृष्ट्या पुष्पस्तबकसदृशानि अन्ताराष्ट्रियख्यातिम् | |
| उत्तरम्– विद्यार्थी स्वयं करें। | |
| प्रश्न: 2. प्रश्नानाम् उत्तराणि एकपदेन लिखत-(प्रश्नों के उत्तर एक पद | में लिखिए-) |
| (क) अस्माकं देशे कति राज्यानि सन्ति? | |
| (ख) प्राचीनेतिहासे का: स्वाधीना: आसन्? | |
| (ग) केषां समवाय: 'सप्तभगिन्य:' इति कथ्यते? | |
| (घ) अस्माकं देशे कित केन्द्रशासितप्रदेशाः सन्ति? | |
| (ङ) सप्तभगिनी-प्रदेशे क: उद्योग: सर्वप्रमुख:? | |
| उत्तरम्– (क) अष्टाविंशति:, (ख) सप्तभगिन्य:, (ग) सप्तराज्यानाम्, (घ) सप्त, | (ङ) वंशोद्योग:/वंश-उद्योग:। |
| ग्रश्नः 3. अधोलिखितपदेषु प्रकृति-प्रत्ययविभागं कुरुत— (निम्नलिखित विभाग कीजिए—) | पदों के प्रकृति-प्रत्ययों का |
| पदानि प्रकृतिः प्रत्ययः | |
| यथा - गन्तुम् गम् + तुमुन् | |
| ज्ञातुम् + | |
| ग्रहीतुम् ····· + ···· | |
| पातुम् + | |
| श्रोतुम् + | |
| भ्रमितुम् | |
| उत्तरम् – ज्ञा + तुमुन्, ग्रह् + तुमुन्, पा + तुमुन्, श्रु + तुमुन्, भ्रम् + तुमुन् | Į · |
| | |
| | भव पदों के लिए पाठ से |
| | भव पदों के लिए पाठ से |
| ग्रःनः 4. पाठात् चित्वा तद्भवपदानां कृते संस्कृतपदानि लिखत –(तद् | भव पदों के लिए पाठ से |
| प्रश्नः 4. पाठात् चित्वा तद्भवपदानां कृते संस्कृतपदानि लिखत-(तद् चुनकर संस्कृत पद लिखिए-) तद्भव-पदानि संस्कृत-पदानि यथा- सात सप्त | भव पदों के लिए पाठ से |
| प्रश्नः 4. पाठात् चित्वा तद्भवपदानां कृते संस्कृतपदानि लिखत – (तद् चुनकर संस्कृत पद लिखिए –) तद्भव-पदानि संस्कृत-पदानि यथा – सात सप्त बहिन | भव पदों के लिए पाठ से |
| प्रश्नः 4. पाठात् चित्वा तद्भवपदानां कृते संस्कृतपदानि लिखत-(तद् चुनकर संस्कृत पद लिखिए-) तद्भव-पदानि संस्कृत-पदानि यथा- सात सप्त | भव पदों के लिए पाठ से |
| प्रश्नः 4. पाठात् चित्वा तद्भवपदानां कृते संस्कृतपदानि लिखत – (तद् चुनकर संस्कृत पद लिखिए –) तद्भव-पदानि संस्कृत-पदानि यथा – सात सप्त बहिन | भव पदों के लिए पाठ से |
| प्रश्न: 4. पाठात् चित्वा तद्भवपदानां कृते संस्कृतपदानि लिखत – (तद् चुनकर संस्कृत पद लिखिए –) तद्भव-पदानि संस्कृत-पदानि यथा – सात सप्त बहिन बाँस | भव पदों के लिए पाठ से |
| प्रश्न: 4. पाठात् चित्वा तद्भवपदानां कृते संस्कृतपदानि लिखत – (तद् चुनकर संस्कृत पद लिखिए –) तद्भव-पदानि संस्कृत-पदानि यथा – सात सप्त बहिन संगठन बाँस | भव पदों के लिए पाठ से |
| प्रश्नः 4. पाठात् चित्वा तद्भवपदानां कृते संस्कृतपदानि लिखत – (तद् चुनकर संस्कृत पद लिखिए –) | भव पदों के लिए पाठ से |
| प्रश्नः 4. पाठात् चित्वा तद्भवपदानां कृते संस्कृतपदानि लिखत – (तद् चुनकर संस्कृत पद लिखिए –) | भव पदों के लिए पाठ से |
| प्रश्नः 4. पाठात् चित्वा तद्भवपदानां कृते संस्कृतपदानि लिखत – (तद् चुनकर संस्कृत पद लिखिए –) | भव पदों के लिए पाठ से |
| प्रश्न: 4. पाठात् चित्वा तद्भवपदानां कृते संस्कृतपदानि लिखत – (तद् चुनकर संस्कृत पद लिखिए –) | भव पदों के लिए पाठ से |
| प्रश्न: 4. पाठात् चित्वा तद्भवपदानां कृते संस्कृतपदानि लिखत – (तद् चुनकर संस्कृत पद लिखिए –) | भव पदों के लिए पाठ से |
| प्रश्न: 4. पाठात् चित्वा तद्भवपदानां कृते संस्कृतपदानि लिखत – (तद् चुनकर संस्कृत पद लिखिए –) | भव पदों के लिए पाठ से |
| प्रश्न: 4. पाठात् चित्वा तद्भवपदानां कृते संस्कृतपदानि लिखत – (तद् चुनकर संस्कृत पद लिखिए –) तद्भव-पदानि संस्कृत-पदानि यथा – सात सप्त बहिन संगठन बाँस | |
| प्रश्न: 4. पाठात् चित्वा तद्भवपदानां कृते संस्कृतपदानि लिखत – (तद् चुनकर संस्कृत पद लिखिए –) तद्भव-पदानि संस्कृत-पदानि यथा – सात सप्त बहिन संगठन बाँस | |
| प्रश्न: 4. पाठात् चित्वा तद्भवपदानां कृते संस्कृतपदानि लिखत – (तद् चुनकर संस्कृत पद लिखिए –) | |
| प्रश्नः 4. पाठात् चित्वा तद्भवपदानां कृते संस्कृतपदानि लिखत – (तद् चुनकर संस्कृत पद लिखिए –) | |
| प्रश्नः 4. पाठात् चित्वा तद्भवपदानां कृते संस्कृतपदानि लिखत – (तद् चुनकर संस्कृत पद लिखिए –) तद्भव – पदानि संस्कृत – पदानि यथा – सात सप्त बहिन संगठन बाँस आज खेत उत्तरम् – तद्भव – पदानि संगठन सङ्घटनम् बाँस वंशम् आज अद्य खेत अज अद्य खेत संगठन सङ्घटनम् वाँस वंशम् आज अद्य खेत संन्न प्रानि वाले पद चु (क) गच्छिति, पठिति, धाविति, अहसत्, क्रीडिति। (ख) छात्रः, सेवकः, शिक्षकः, लेखिका, क्रीडिकः। | |
| प्रश्नः 4. पाठात् चित्वा तद्भवपदानां कृते संस्कृतपदानि लिखत – (तद् चुनकर संस्कृत पद लिखिए –) तद्भव – पदानि संस्कृत - पदानि यथा – सात सप्त बिहन संगठन बाँस आज खेत उत्तरम् – तद्भव – पदानि संगठन सङ्घटनम् बाँस वंशम् आज अद्य खेत अञ्च संस्कृत – (भिन्न प्रकृति वाले पद चु (क) गच्छिति, पठित, धावित, अहसत्, क्रीडिकः। (ग) पत्रम्, सित्रम्, पुष्पम्, आग्रः, नक्षत्रम्। | |

| प्रश्नः 6. मञ्जूषातः क्रियापदानि चित्व स्थानों की पूर्ति कीजिए—) | ा रिक्तस्थानानि पूरयत —(मञ्जूषा से क्रिया-पद चुनकर रिक्त | |
|---|---|--|
| | ति इच्छामि निवसन्ति वर्तन्ते | |
| | | |
| (क) अयं प्रयोगः प्रतीकात्मक | | |
| (ख) सप्त केन्द्रशासितप्रदेशाः (ग) अत्र बहवः जनजातीयाः | | |
| (ग) अत्र बहुव: जनजाताया: (घ) अहं किमपि श्रोतुम् | | |
| (ङ) तत्र हस्तशिल्पिनां बाहुल् | | |
| (च) सप्तभगिनीप्रदेशाः रम्याः | | |
| (छ) गुणगौरवदृष्ट्या इमानि वृ | | |
| उत्तरम् – (क) अयं प्रयोगः प्रतीकात्मकः | | |
| (ख) सप्त केन्द्रशासितप्रदेशाः | | |
| (ग) अत्र बहवः जनजातीयाः | | |
| (घ) अहं किमपि श्रोतुम् इच्छ | | |
| (ङ) तत्र हस्तिशिल्पिनां बाहुल्य | | |
| (च) सप्तभगिनीप्रदेशाः रम्याः | | |
| (छ) गुणगौरवदृष्ट्या इमानि वृः | | |
| | लनम् कुरुत-(विशेष्य और विशेषण का सही मिलान कीजिए-) | |
| विशेष्य-पदानि | विशेषण-पदानि | |
| अयम् | संस्कृति: | |
| संस्कृतिविशिष्टायाम् | इतिहासे | |
| महत्त्वाधायिनी | प्रदेश: | |
| प्राचीने | समवाय: | |
| एक: | भारतभूमौ | |
| उत्तरम्– विशेष्य-पदानि | विशेषण-पदानि | |
| अयम् | प्रदेश: | |
| संस्कृतिविशिष्टायाम् | भारतभूमौ | |
| महत्त्वा धायि नी | संस्कृति: | |
| प्राचीने | इतिहासे | |
| एक: | समवाय: | |
| а | तिरिक्त-अभ्यासः | |
| (1) मञ्जूषायाः सहायतया अधोदः | तं पाठांशम् पूरयत-(मञ्जूषा की सहायता से निम्नलिखित | |
| पाठांश को पूरा कीजिए-) | | |
| मालती — महोदये! तत्र तु | अपि प्राप्यन्ते?् | |
| | बाहुल्यं वर्तते। आ वस्त्राभूषणेभ्य: गृहनिर्माणपर्यन्तं | |
| प्रायः वंशवृक्षनिर्मितानां उपयोगः क्रियते। यतो हि अत्र | | |
| प्राचुर्यं विद्यते। साम्प्रतं वंशोद्योगोऽयं अवाप्तोऽस्ति। | | |
| वंशवृक्षाणम्, वंशवृक्षाः | अन्ताराष्ट्रियख्यातिम्, हस्तशिल्पानाम्, वस्तूनाम् | |
| *** | ******* FND ******** | |